जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जयपुर

Rashtradoot

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 318 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 20 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

राहुल गांधी अपने जन्म दिन की पूर्व संध्या को विदेश से लौटे

उनके जन्म दिन पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में सचिन पायलट उपस्थित रहे, पर सभी आयोजनों में गहलोत की गैर-मौजूदगी खली

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। राहुल गांधी बुधवार देर रात विदेश यात्रा से दिल्ली लौटे ताकि गुरुवार को अपना जन्म दिन मना सकें।

- सचिन पायलट ने एआईसीसी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिलने आए राहुल गांधी का स्वागत करते हुए बड़ा गुलदस्ता भेंट किया और जन्म दिन की बधाई दी।
- इसके बाद यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित रोज़गार मेले व फिल्म फुले की स्क्रीनिंग पर, सचिन पायलट ने अपनी पूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। पर, संयोगवश या पूर्व निश्चित इरादे के अनुसार और कोई वरिष्ठ नेता नहीं दिखा।
- एक उल्लेखनीय बात यह भी थी कि इस बार प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के जन्म दिन पर ट्वीट करके बधाई नहीं दी। कहा जा रहा है कि वे अपने भाई से नाराज़ हैं तथा राहुल से ज्यादा उनके चारों तरफ मंडरा रहे लोगों, संभवतया के.सी. वेणुगोपाल से नाराज़ हैं।

दिलचस्प बात यह रही कि कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने एआईसीसी और युवा कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के जन्मदिन पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में शिरकत की, जबकि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनुपस्थिति संदिग्ध रही।

जब राहुल गांधी पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने एआईसीसी पहुंचे, तो सचिन पायलट वहाँ मौजूद थे, उन्होंने एक बड़ा गुलदस्ता लेकर राहुल को शुभकामनाएँ दीं। वे भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सचिन पायलट ने राहुल गांधी को एआईसीसी कार्यालय में जन्मदिन की बधाई दी और गुलदस्ता भेंट किया।

मुख्यमंत्री शर्मा आज जैसलमेर में, गड़सीसर तालाब की पूजा करेंगे

जैसलमेर, 19 जून (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को अहमदाबाद जाएंगे और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि देकर शाम 6:30 बजे जैसलमेर पहुँचेंगे। वे एयर पोर्ट से सीधे गड़सीसर तालाब पहुँचकर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले के प्राचीन पवित्र गड़सीसर सरोवर की पूजा एवं आरती करेंगे। मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन शनिवार को मुख्यमंत्री सुबह पौने छः बजे खुहड़ी सैंड ड्यून्स के लिए रवाना होंगे और वहाँ होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहाँ से मुख्यमंत्री पुन: जैसलमेर पहुँचेंगे और फिर जैसलमेर एयर पोर्ट से जयपुर प्रस्थान करेंगे।

- मुख्यमंत्री शनिवार को सुबह जैसलमेर के खुड़डी सैंड ड्यून्स पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे।

ट्रंप बार-बार भारत-पाक युद्ध बंद करवाने का दावा अभी भी क्यों कर रहे हैं?

मसला है दक्षिण पूर्व एशिया में अपने घटते प्रभाव को किसी तरह जीवित रखना

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। स्व-प्रचार और टकराव की अपनी विशिष्ट शैली में, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा किया है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भारत और पाकिस्तान के बीच का युद्ध "रोक दिया" था, जबकि नई दिल्ली ने ऐसे किसी भी दावे को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। यह दावा, जिसे ट्रंप कई बार दोहरा चुके हैं, भारत की आधिकारिक स्थिति के विपरीत है और इससे नैरेटिव (कथानक) के नियंत्रण, कूटनीतिक सीमाओं और दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में वॉशिंगटन के प्रभाव की चाह को लेकर एक गहरा टकराव उजागर होता है।

ट्रंप क्यों इस बात पर अड़े हैं कि उन्होंने युद्ध रोका? ट्रंप के लिए भारत-पाकिस्तान का तनाव, कई अन्य भू-राजनीतिक संकटों की तरह एक ऐसा मंच है, जहाँ वे व्यक्तिगत कूटनीति का प्रदर्शन कर सकते हैं। "दो परमाणु देशों के बीच युद्ध रोकने की उनकी कहानी उनके छवि निर्माण अभियान का हिस्सा है, जिसमें वे स्वयं को "डीलमेकर" तथा संकट समाधानकर्ता के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

- भारत को ट्रंप का दंभपूर्ण दावा विशेष रूप से इसलिए विचलित करता है, क्योंकि इस दावे से यह ध्वनि आती है कि मोदी सरकार का भारत की सार्वभौमिकता व "इन्डिपेन्डैंट विदेश नीति" का "क्लेम" एक मिथ्या घटनाक्रम है।
- इसके अलावा ट्रंप के दावे से, भारत का यह पुराना सिद्धांत, कि भारत, पाकिस्तान के साथ मतभेदों पर किसी प्रकार की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा, भी थोथा व मिथ्या साबित होता है और यह सिद्धांत 1972 के शिमला समझौते में भी पुरजोर ढंग से पुनः स्वीकार किया था, दोनों देशों ने।
- इसके अलावा ट्रंप के दावे से, प्र.मंत्री मोदी की, भारत में सुरक्षा के मामले में दबाव में न आने की छवि को भी भारी धक्का लगता है।
- अमेरिका इस बात से चिंतित है कि "ग्लोबल साउथ" में उसका प्रभाव घट रहा है और अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी सार्थकता किसी भी प्रकार बरकरार रखना चाहता है।

भारत के दृष्टिकोण से, ट्रंप का यह दावा कई स्तरों पर समस्या का कारण है। पहला, यह भारत की उस छवि को कमजोर करता है, जिसे उसने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में सावधानीपूर्वक गढ़ा है कि वह क्षेत्रीय संकटों को अपनी शर्तों पर हैंडल करने में सक्षम है। मोदी सरकार ने रणनीतिक स्वायत्तता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पतंजलि®

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण का संकल्प लें

योगमय भारत : स्वामी रामदेव जी का आह्वान

आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वामी जी के नेतृत्व में योगव्रती और स्वदेशीव्रती बनकर एक स्वस्थ, समृद्ध, समर्थ, संगठित और परम वैभवशाली भारत का निर्माण करें।

पतंजलि के माध्यम से पिछले तीन दशकों में योग, आयुर्वेद और स्वदेशी ने विश्व के 200 देशों में 200 करोड़ से अधिक लोगों को रोगमुक्ति, नशामुक्ति और आध्यात्मिक जागृति का मार्ग दिखाया है। इससे न केवल लाखों करोड़ रुपये की बचत हुई, अपितु एक आध्यात्मिक, सनातन जीवन पद्धति की नींव भी रखी गई।

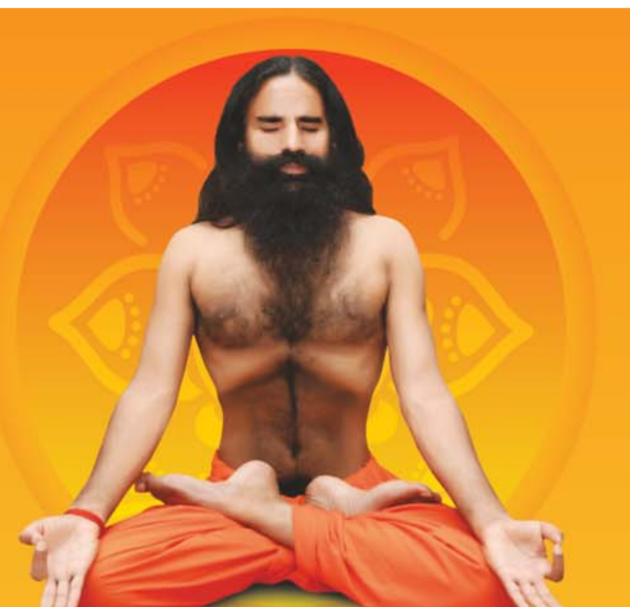

विश्व के सबसे बड़े योग गुरू
योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज से सीधा जुड़कर योग सीखें
आस्था LIVE — प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 7:30 व रात 8:00 बजे
INDIA TV — रोज सुबह 7:56 बजे

"जागरण के देवता"

देश के शीर्षस्थ संत सहित करोड़ों लोग स्वामी जी महाराज को ``जागरण के देवता'' के रूप में देखते हैं जिन्होंने देश भर में 25 लाख किलोमीटर की यात्रा करके दस करोड़ से अधिक लोगों को योग का प्रशिक्षण देकर, एक करोड़ नि:स्वार्थ एवं निष्काम सेवा करने वाले निष्ठावान कार्यकर्ता तैयार किए। पतंजलि के वे प्रशिक्षित योगी भाई-बहन देश के हर गांव, शहर, गली और मोहल्ले में एक लाख से अधिक योग शिविरों एवं नियमित योग कक्षाओं के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। सुबह जल्दी उठकर योग करने की यह क्रांति भारत को नई दिशा दे रही है।

नि:स्वार्थ भाव से मानव कल्याण का अभियान आज पूरे देश भर में पतंजलि के 10,000 से अधिक केंद्रों और 2,500 योग्य एवं प्रशिक्षित वैद्यों के माध्यम से योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के क्षेत्र में बहुत बड़ी सेवा चल रही है। यदि इस सेवा का मूल्यांकन करें तो राष्ट्रसेवा में यह एक लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का योगदान है। पतंजलि का प्रत्येक प्रकल्प भारत माता की सेवा के लिए समर्पित है।

स्वदेशी से समृद्धि: अर्थ से परमार्थ ऑक्सफैम ग्लोबल यू.के. एवं अन्य स्रोतों के सर्वे के अनुसार, 1765 से 1900 के बीच विदेशी कंपनियों और आक्रांताओं ने भारत से 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की लूट की और आज भी यह लूट निरंतर जारी है। स्वामी जी स्वदेशी के माध्यम से इस लूट को रोकने और भारत को आर्थिक महाशक्ति की ओर ले जाने के लिए संकल्पित हैं। "Prosperity for Charity": पतंजलि ने 100% लाभ भारत माता की सेवा में लगाया है, लगा रहे हैं और आगे भी लगाएंगे।

भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा मैकाले की शिक्षा पद्धति से मुक्ति 1835 से चली आ रही मैकाले की शिक्षा पद्धति से देश को मुक्त करने के लिए पतंजलि गुरुकुलम् और आचार्यकुलम् जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा बोर्ड के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व, चरित्र और नेतृत्व वाले बच्चों का निर्माण कर रहे हैं। आगे लाखों विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कर हम एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। अपने बच्चों को पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्व विद्यालय में पढ़ाएं और BSB के साथ अपने विद्यालय को संबद्ध करके राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी भूमिका निभायें।

स्वास्थ्य क्रांति: निरोगी भारत चरक, सुश्रुत, धन्वंतरी और पतंजलि जैसे महर्षियों के ज्ञान पर आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पतंजलि वेलनेस, योगग्राम और निरामयम् जैसे विश्वस्तरीय इंटिग्रेटेड ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां करोड़ों लोग निरोगी और स्वस्थ हो रहे हैं। स्वामी जी का आह्वान है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं योग करे और दस लोगों को योग कराए। यदि 1% जागरूक लोग भी सुबह योग करें एवं योगमय सनातन जीवन पद्धति को अपनाएं, तो भारत का हेल्थ बजट शून्य हो सकता है।

शोध और समाधान: विज्ञान और परंपरा का संगम पतंजलि के 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने वर्षों के रिसर्च से एविडेंस-बेस्ड पतंजलि मेडिसिन्स विकसित की हैं, जो लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन और रेस्पिरेटरी सिस्टम के रोगों को ठीक कर रही हैं। 5,000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल और 500 से अधिक इंटरनेशनल जर्नल्स में रिसर्च पेपर्स के पब्लीकेशन ने आयुर्वेद को रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन का दर्जा दिलाने का बहुत बड़ा कार्य किया है।

योग धर्म अब युगधर्म बने: सनातन ही समाधान है आज योग और सनातन धर्म विश्व की आवश्यकता है। तनाव, बीमारियां, सामाजिक और सांस्कृतिक पतन से जूझ रही दुनिया को पतंजलि योग और सनातन मूल्यों के माध्यम से नई दिशा दे रहा है। आइए, योगधर्म मूलक सनातन जीवन पद्धति को अपनाएं।

पंच महाक्रान्तियों का शंखनाद शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक एवं सांस्कृतिक गुलामी से मुक्ति दिलाने एवं आर्थिक व आध्यात्मिक भारत बनाने के लिए पतंजलि एक लाख से अधिक गौ माता की सेवा कर रहा है और गौवंश को बचाने के लिए एक बड़ी कार्य योजना पर कार्यरत है।

पतंजलि के शुद्ध एवं सात्विक प्रोडक्ट्स अपनाइए,
अपने बच्चों व परिवार को मिलावट के ज़हर से बचाइए।